

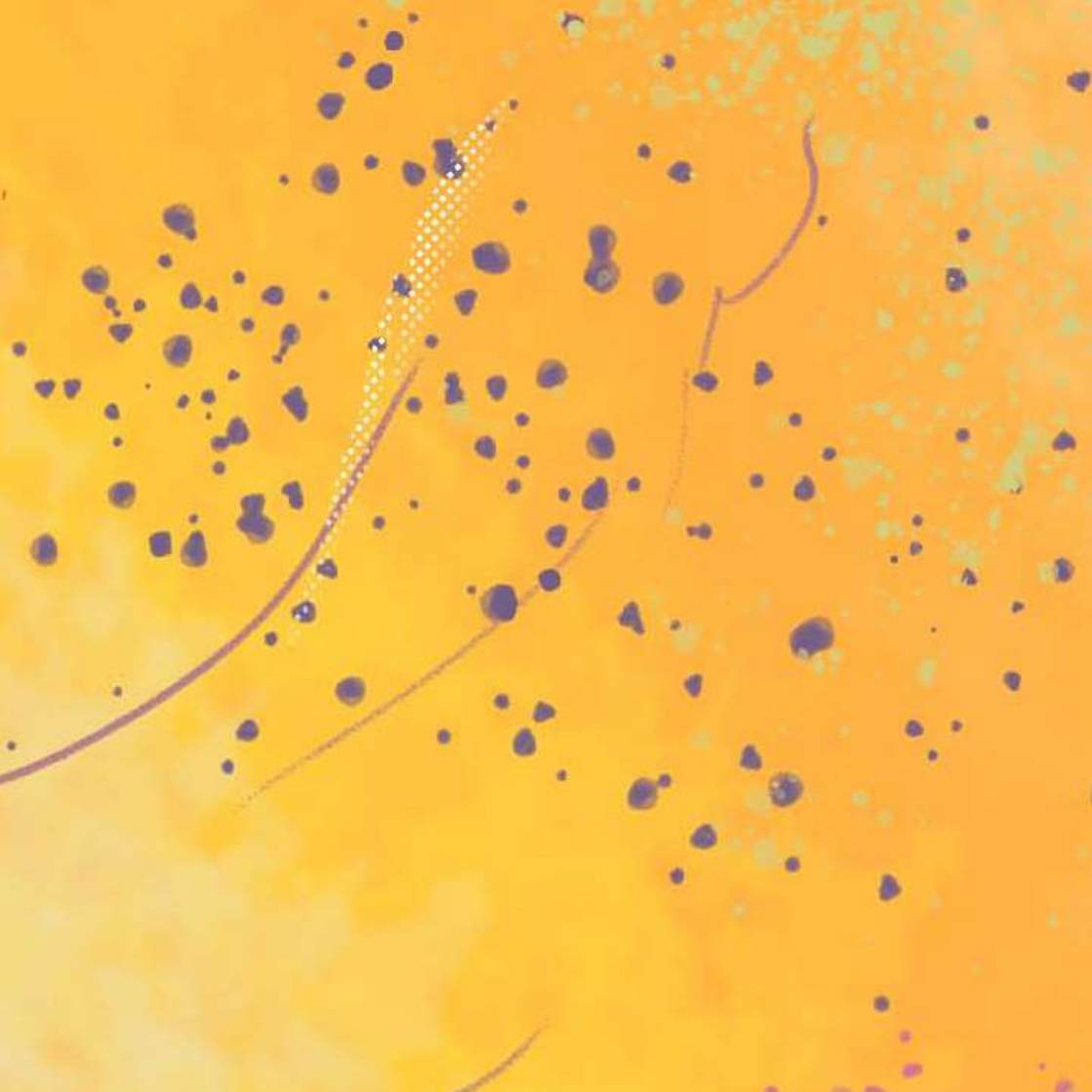


GIRLS NOT BRIDES

The Global Partnership
to End Child Marriage

सम्मान
जिसकी मैं
हकदार हूँ





आशा की कहानी, आशा की जुबानी

* पहचान सुरक्षित रखने के लिए असली नाम बदला गया है।

मेरा नाम आशा है।



मेरी चार बहनें हैं।





मेरे पिताजी को लगा कि मेरी शादी जल्दी कर देनी चाहिए क्योंकि पाँच बच्चों को पालना-पोसना उनके लिए मुश्किल होगा।

मैं सिर्फ पंद्रह साल की थी।




मैं अभी स्कूल में ही पढ़ रही थी।

मेरे पास और कोई रास्ता नहीं था।

मेरे पति, जिनसे मेरी शादी हुई, वह शराबी निकले।



जल्द ही मेरे पति ने मुझे तंग करना शुरू कर दिया। मैं हमेशा डरी हुई रहती थी।

An illustration showing several hands of different skin tones (brown, tan, and green) pointing towards a central figure. The central figure is a small person with dark skin, wearing a purple dress, standing on a purple mat. The background is a light, textured grey with some yellow and green accents. Three speech bubbles contain text, and a text box at the bottom right contains a paragraph.

वह मुझे कहते
“तुम किसी काम
की नहीं हो”

“तुम दहेज भी तो ना
के बराबर लाई हो”

“तुम बहुत काली
-कलूटी हो”

...वह मुझे ताने देते। यह
रोज़ की बात थी और ऐसा
ही चलता रहा।



छह महीने के बाद,
मैंने अपने पिताजी से
हाथ जोड़कर विनती
करते हुए कहा कि
मुझे घर वापस आने
दो और उन्होंने घर
आने के लिए हाँ
कर दिया।

लेकिन तब तक मैं गर्भवती हो चुकी थी।

जब मैंने एक लड़के को जन्म दिया,
तब मैं वापस अपने ससुराल लौट गई।



पर दो-चार दिन भी नहीं हुए
और फिर से मेरे पति पहले
जैसे रवैया करने लगे।

मुझे वहाँ से निकलना पड़ा। मैं वापस अपने घर चली आई।



मेरे ससुराल वालों में से किसी को मेरी
कोई परवाह नहीं कि हम दोनों कैसे हैं।



वे हमारे साथ ऐसे
पेश आते हैं जैसे
कि हम उनके जीवन
में कभी थे ही नहीं।



एक साल बाद मुझे
सृजन फाउंडेशन में
वही मदद मिली जिस
की मुझे ज़रूरत थी।
मैं वहाँ की किशोर
बालिका दल में शामिल
हो गई।

अब मैं अपने अधिकारों को समझ रही हूँ, मेरा
आत्मविश्वास वापस आ रहा है, और मैं फिर से
स्कूल जा रही हूँ। स्कूल की पढ़ाई खत्म करने पर
मैं सेना में भर्ती होना चाहती हूँ।

जो मैं भुगती हूँ
भगवान न करे
ऐसा कभी किसी
लड़की के साथ हो।
अगर मुझे कोई
कम उम्र की लड़की
शादी करती हुई
दिखी तो मैं ज़रूर
आवाज़ उठाऊंगी।



और एक दिन मैं एक ऐसे आदमी
के साथ शादी करूँगी जो मुझे
समझेगा, मेरा साथ देगा, और
जिस सम्मान की मैं हकदार हूँ
वो सम्मान मुझे देगा।

हर साल आशा जैसी 9 करोड़
20 लाख लड़कियों की शादी
90 साल से पहले हो जाती है।

बाल वधुओं को शारीरिक,
यौनिक और भावनात्मक हिंसा
से पीड़ित होने की सबसे अधिक
संभावना रहती है।

हम बच्चों के प्रति होनेवाले
हिंसा को तब तक खत्म नहीं
कर पाएंगे जब तक लड़कियों
की शादी बचपन में की
जाती रहेगी।

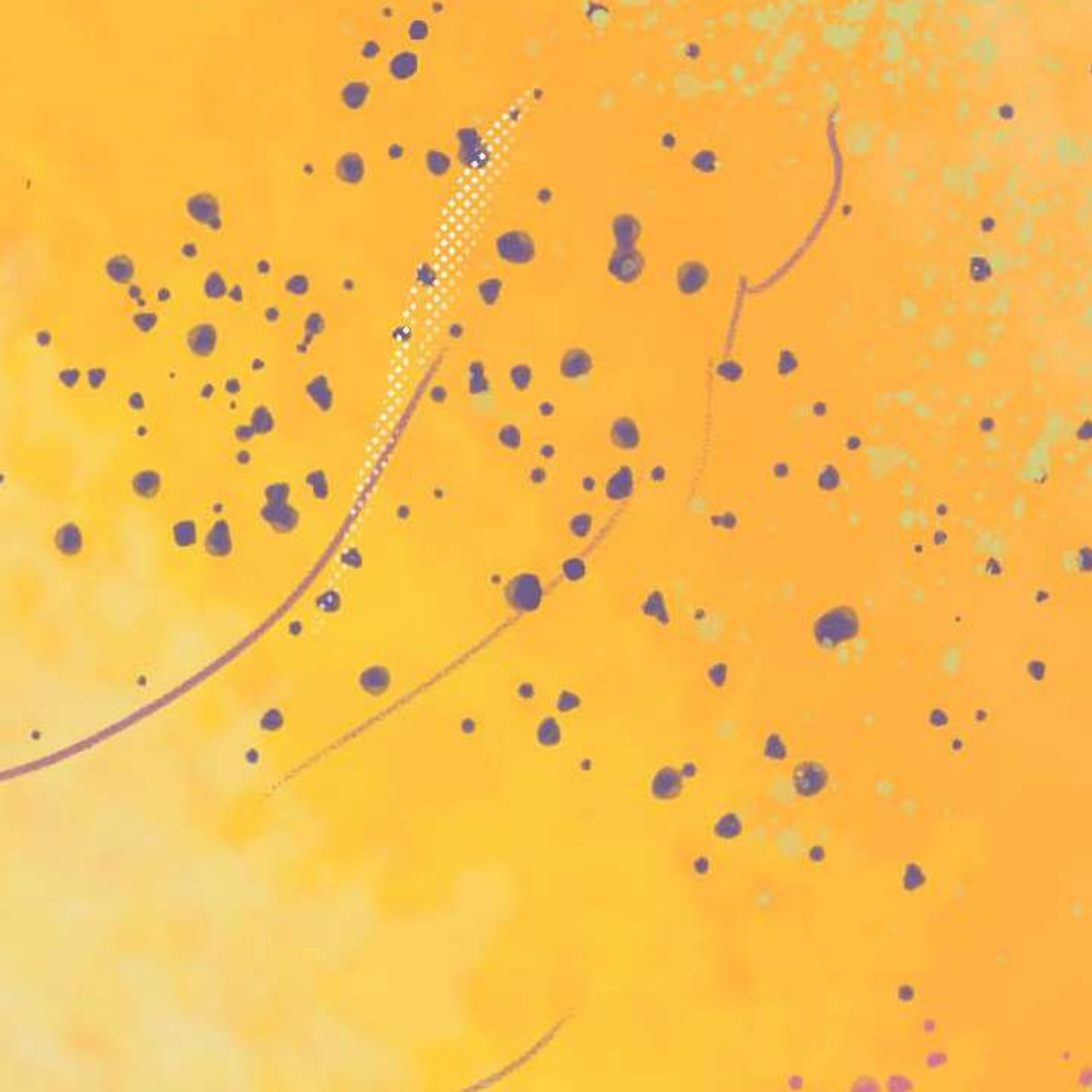


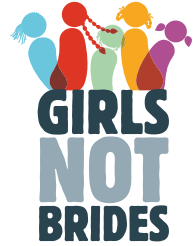
सृजन फाउंडेशन जो "गर्ल्स नोट ब्राइड्स" (गैर सरकारी संगठन) का सदस्य है, वह महिलाओं और बच्चियों के लिए बेहतर दुनिया बनाने का प्रयास करता है। झारखंड स्थित सृजन फाउंडेशन महिलाओं और बच्चियों को सशक्त बनाने के लिए अभियान चलाता है और सेवाएं प्रदान करता है।

चित्रकार : सुरसती पूरी

📍 Surasti.kp

🌐 www.surastipuri.com/





The Global Partnership
to End Child Marriage

यह कहानी सृजन फाउंडेशन, भारत के साथ साझेदारी में काम करते हुए गर्ल्स नोट ब्राइड्स: बाल विवाह को समाप्त करने की वैश्विक भागीदारी द्वारा तैयार की गई थी।

नवंबर 2019 में
गर्ल्स नोट ब्राइड्स
द्वारा प्रकाशित

Seventh Floor
65 Leadenhall Street
London
EC3A 2AD
United Kingdom

☎ 0203 725 5858
📠 0207 603 7811
🌐 www.GirlsNotBrides.org
✉ info@GirlsNotBrides.org
📧 [GirlsNotBrides](http://GirlsNotBrides.org)
📘 [www.facebook.com/
GirlsNotBrides](http://www.facebook.com/GirlsNotBrides)

गर्ल्स नोट ब्राइड्स: बाल विवाह को समाप्त करने की वैश्विक साझेदारी
गर्ल्स नोट ब्राइड्स 100 से अधिक देशों के 1,200 से अधिक सिविल सोसाइटी संगठनों
से बनी एक वैश्विक साझेदारी है, जो बाल विवाह को समाप्त करने और लड़कियों द्वारा
उनकी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है।